DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं. 10 दिनांक 17/1/2021

ट्रेक नं. 12 स्थान

ट्रेक समयावधि

कलाकार का नाम (सफी खां / गायन / वादन)

पिता का नाम - फकीर खां

पता → गाव बड़नावा चारणान ते. पचपदरा जिला बाड़मेर

सहायक कलाकार (वाद्ययंत्र)

1 रमज़ान खां

2 हबीब खां

3

ऑडियो रिकॉर्डिंग का समय

विषय → काथा (सायची)

विशेष - विवरण -

कलाकार सम्बन्धी परिचय - मैं सफी खां. यह कला अपने बुर्जुगों से सीखा हूं. जब पहले हमारे दादा पर दादा अपने जजमानों को कोई काथा या गाथा करते थे तो हम उसे चित लगा के सुनते थे और उसमे रुची लेते थे इस तरह मुझे आज तक बहुत सी कथाए याद है। - जैसे -

(1) सायची - काथा
(2) ढोला - मारू - गाथा + काथा
(3) रिड़मल - गाथा + काथा
(4) ओनाड़ सिंह काथा
(5) आभा - डाबी
(6) नरभाण - काथा

Anand
DATE :
PAGE NO. :

विशेष - विवरण -
यह कथा एक खुबसुरत स्त्री (सायची) के जीवन पर आधारित है। बात उस समय की है जब सायची की उम्र शादी की हो जाती है। तो उनके पिता उसकी शादी के लिए लड़का तलाश करता है तो वह अपने पिताजी से केहती है मैं उसी के साथ विवाह करुगी जो मेरा दोहा पुरा करेगा। (वन में ओम्बो- रोपीयो कोन करे रखवाल) तो उनके पिता यह बात पूरे शहर में फैल जाती है। उनका एक चाकर यह दोहा लेकर एक दरबार के यहा पहुच जाता है वहां एक सेठ ये दोहा पुरा कर देता है। (वन में ओम्बो रोपीयो कोन करे रखवाल का करे कुल आपरो का करे किलतार)
और इस तरह सायची की उस सेठ जी के साथ शादी हो जाती है। तो शादी के बाद वह राजा के साथ बारह वर्ष की नोकरी के लिए जाता है। तो सायची उसे विश्वास दिलाते हुए उसे एक कपुर की डिबी देती है और केहती की जब तक इसमें कपूर रहेगा मैं आपकी रहुंगी और इसमें नमक हो गया तो आपकी नहीं रहुंगी सेठ वह डिबी अपने साथ लेकर चला जाता है वहा जाने के बाद सेठ हर रोज उस डिबी को देखता है तो सेठ जी को ऐसा करते हुए नई जी देख लेता है। और पूरी बात पता कर लेता है। और सारी बात दरबार को बता देता है। नाईजी केहता है। दरबार यदि आप मुझे कुछ समय की मोहलत दो तो मैं इस डिबी के अन्दर के कपुर को नमक बना दु दरबार ने कहा कोशिश करलो नई जी सायची के पास जाता है तो वह उसे गधा बना कर भेज देती है। और कुछ समय बाद दरबार स्वयं वहा जाता है तो वह उसे अपना बाप बना देती है और रात के समय में उसका मुन्दड़ा वहां गिर जाता है। कुछ समय बाद सेठ अपनी नोकरी से वापस आता है और अपने बिस्तर में दरबार का मुन्दड़ा देखता है तो वह सायची से रुठ जाता है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऐसे में सायमी अपने पिताजी को पत्र लिखती है और उनके माता पिता वहां आ जाते हैं तो वह एक तालाब या समन्दर के किनारे मिलते हैं इतने में शिकार से लौट रहे दूरबार भी वहां आ जाते हैं और वह सेठ जी के सामने सायमी को अपनी बेटी के समान मानता है तो सेठ के मन का भ्रम टूट जाता है इस प्रकार वहां दोनों वापस अपने घर जाते हैं। एक दूसरे के ~~खिलाफ~~ खिलाफ हुई गलतफहमी दूर हो जाती है।